निर्देश **प्राविधिक शिक्षा व चिकित्सा मंत्री ने एकेटीयू का किया निरीक्षण, सभी कार्य जल्द पूरा करने को कहा**

वाटरप्रूफ पंडाल में बैठ सकेंगे तीन हजार लोग

जागरण संवाददाता, लखनऊ : शुक्रवार को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि (एकेटीयू) के जानकीपुरम विस्तार स्थित नये परिसर का प्राविधिक शिक्षा एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन ने निरीक्षण किया। उन्होंने विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक से तैयारियों के बावत जानकारी ली। साथ ही निर्माण निगम के अधिकारियों को समय रहते सभी कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विवि के नए परिसर का लोकार्पण करेंगे।

निरीक्षण के दौरान मंत्री आशुतोष टंडन के कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विवि का लोकार्पण तकनीकी शिक्षा के समावेशी विकास में एक नया अध्याय होगा। कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री ने तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के विकास के लिए अटल इनोवेशन मिशन, स्टार्ट-अप इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी बहुआयामी योजनाएं शुरू की हैं, जिससे देश एवं प्रदेश के हजारों छात्र-छात्राएं लाभांवित हुए है।

बैठक कर दिए सुझाव

मंत्री आशुतोष टंडन ने विवि के कुलपति व अधिकारियों के साथ बैठक भी की। उन्होंने पीएम आगमन को लेकर दिशा निर्देश दिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि पीएम द्वारा नवीन परिसर के लोकार्पण कार्यक्रम के लिए बने वाटरप्रूफ पंडाल में करीब 3000 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। प्रत्येक व्यक्ति तक कार्यक्रम का प्रसारण पहुंचाने के लिए एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों के छात्र व जनमानस तक लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण 20 जून को सायं 5 बजे से किया जाएगा। प्रधानमंत्री एकेटीयू के नवीन परिसर में तीनों भवनों, कलाम स्मारक एवं सेंटर ऑफ एडवांस स्टडीज का लोकार्पण करेंगे।

सीडीआरआइ की शोध उपलब्धियां देखेंगे मोदी

जागरण संवाददाता, लखनऊ : केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआइ) में इन दिनों काफी उत्साह का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के अध्यक्ष भी हैं 20 जून को सीडीआरआइ के नवीन परिसर का लोकार्पण करेंगे। सीडीआरआइ की स्थापना ऐतिहासिक छतर मंजिल में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने की थी। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी भी संस्थान आ चुके हैं, लेकिन फर्क यह है कि सीडीआरआइ अब अपने भवन में हैं। 62 एकड़ में फैले संस्थान परिसर का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

पीएम चूंकि सीएसआइआर के मुखिया भी हैं इसलिए वैज्ञानिक उपलब्धियों को उनकी नजर करने की तैयारी है। सीडीआरआइ देश का अकेला ऐसा संस्थान है जहां औषधि अनुसंधान पर शोध किया जाता है। देश में जो 20 दवाएं विकसित की गई हैं उसमें से अकेले 17 सीडीआरआइ की देन है। इसके अलावा 85 प्रोसेस टेक्नोलॉजी भी यहां के वैज्ञानिकों ने विकसित की हैं। संस्थान अपनी इन उपलब्धियों को शो केस करने के लिए एक प्रदर्शनी तैयार कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार हालांकि पीएम का प्रोग्राम अभी जारी नहीं हुआ है जिससे यह नहीं पता चल सका है कि वह संस्थान में कितनी देर रुकेंगे। इसी लिए संस्थान चाहता है कि पीएम एक नजर में ही संस्थान की उपलब्धियों को देख लें। हालांकि वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि पीएम सीडीआरआइ में वैज्ञानिकों से रूबरू जरूर होंगे।

पीएम लैब विजिट भी कर सकते हैं इसलिए इसकी भी तैयारियां जारी हैं। सीएसआइआर की अन्य प्रयोगशालाओं के निदेशक व वरिष्ठ साइंटिस्ट भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। बताते चलें कि कि सीडीआरआइ विश्व का अकेला ऐसा संस्थान है जहां ड्रग डेवलपमेंट की सभी सुविधाएं एक छत के नीचे उपलब्ध है।

Scanned by CamScanner